



श्री नरेन्द्र मोदी

माननीय प्रधानमंत्री

नई रेलवे
नया जम्मू और कश्मीर



(2014 - मार्च, 2026)



देश को गति रेल से
प्रगति भी रेल से

श्री नरेन्द्र मोदी

माननीय प्रधानमंत्री



सत्यमेव जयते

प्रस्तावना



अशोक कुमार वर्मा
महाप्रबंधक
उत्तर रेलवे

भारतीय रेल राष्ट्र की जीवन–रेखा और भारत की प्रगति तथा आर्थिक विकास की प्रेरक है। भारतीय रेल अपने ग्राहकों को आरामदायक, सुविधाजनक और किफायती परिवहन प्रणाली उपलब्ध करा रही है। भारतीय रेल की संरक्षा, गति सीमा में वृद्धि और दूर–दराज के क्षेत्रों से सम्पर्क स्थापित करने पर ध्यान केन्द्रित करने वाली अनेक बड़ी ढाँचागत परियोजनाएं प्रगति पर हैं। नई रेल लाइनें बिछाई जा रही हैं। दोहरीकरण और विद्युतीकरण कार्य पूरी रफ्तार पर हैं। बेहतर और अधिक दक्षता परिणाम लाने के लिए नवीनतम तकनीक, डिजिटलाइजेशन और स्वदेशी उपायों को अपनाया जा रहा है। बेहतर मालभाड़ा व्यापार अवसर सृजित करने के लिए लाँग–हॉल और पीसमील रेलगाड़ियों के परिचालन पर भी बल दिया जा रहा है।

रेलवे के अधिकारी और कर्मचारी परिवहन क्षेत्र के इस बदलते परिदृश्य के अनुरूप स्वयं को तैयार रखने में निष्ठा से जुटे हुए हैं। इस पुस्तिका का उद्देश्य पिछले कुछ समय से जम्मू और कश्मीर में चल रही महत्वपूर्ण गतिविधियों और मौजूदा परियोजनाओं को रेखांकित करना है। विभिन्न परियोजनाओं के लिए आवंटित किया गया बजट राज्यवार न दर्शा कर परियोजना की लागत को प्रतिबिंबित करता है।

पूंजीगत निवेश


UNION BUDGET
FY 2026 - 27
रेल विकास से राष्ट्र विकास
रेलवे के बुनियादी ढांचे और सुरक्षा परियोजना के लिए परिव्यय
जम्मू और कश्मीर
1,086
करोड़
1,044
करोड़
1X
औसत परिव्यय
2009-14
कुल परिव्यय
2026-27

आधारभूत संरचनाओं के विकास पर बल

वर्ष 2014-24 के दौरान पूर्ण किये गये कार्य

- 25 कि.मी. नई रेल लाइन (यू.एस.बी.आर.एल. प्रोजेक्ट का उधमपुर–श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा सेक्शन) का कार्य पूर्ण
- 15 कि.मी. दोहरीकरण का कार्य पूर्ण

अन्य कार्य प्रगति पर

- बाड़ी ब्राह्मन में लगभग ₹ 69 करोड़ की लागत से फ्रेट टर्मिनल का विकास
- जम्मू तवी रेलवे स्टेशन पर लगभग ₹ 222.9 करोड़ की लागत से दूसरा प्रवेश द्वार और कोच अनुरक्षण टर्मिनल का विकास
- जम्मू तवी रेलवे स्टेशन के पुर्नविकास कार्य का प्रावधान

आधारभूत संरचनाओं के विकास पर बल

विद्युतीकरण

लाभ

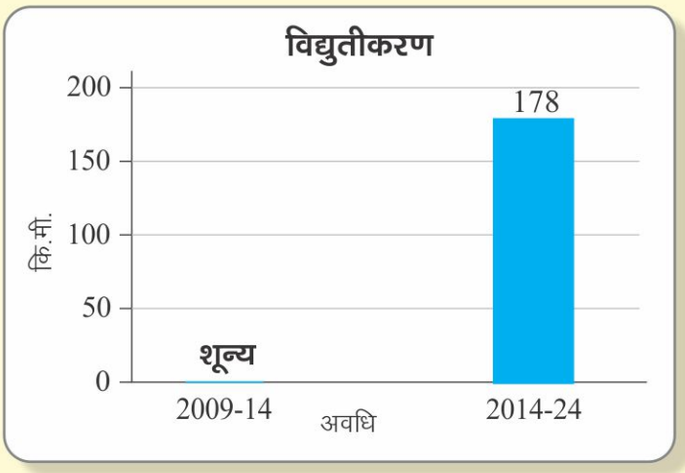
- रेलगाड़ियों की गति में वृद्धि
- पर्यावरण अनुकूल
- ईंधन की बचत और कम ऊर्जा लागत

वर्ष 2009–14 के दौरान

- शून्य

वर्ष 2014–24 के दौरान

- 178 रुट कि.मी. विद्युतीकृत
- बनिहाल – बारामुला के बीच 137 रुट कि.मी. विद्युतीकरण कार्य प्रगति पर





डीजल पर निर्भरता कम करते हुए रेलगाड़ियों की गति को बढ़ाने के लिए विद्युतीकरण

आधारभूत संरचनाओं के विकास पर बल

ऊधमपुर–श्रीनगर–बारामूला राष्ट्रीय रेल परियोजना

परियोजना के बारे में

जम्मू–उधमपुर–कटरा–काजीगुंड–बारामूला राष्ट्रीय रेल परियोजना के तहत कश्मीर घाटी को भारत के शेष भाग से जोड़ा जाएगा। यह परियोजना 7 जून, 2025 को शुरू होगी।

कुल लम्बाई : 272 कि.मी.

बेहतर निष्पादन एवं निगरानी के लिए कार्य को चार भागों में बांटा गया है

1. **ऊधमपुर–कटड़ा (25 कि.मी.):**
   कार्य पूर्ण एवं चालू किया गया

2. **कटरा–संगलदान (63 किमी):**
   कार्य पूर्ण और चालू किया गया

3. **बनिहाल–संगलदान**
   कार्य पूर्ण और चालू किया गया

4. **बनिबल–काजीगुंड (18 किमी):**
   कार्य पूर्ण और चालू कर दिया गया है

उधमपुर श्रीनगर बारामूला न्यू रेल लिंक (बी.जी.) प्रोजेक्ट



आधारभूत संरचनाओं के विकास पर बल

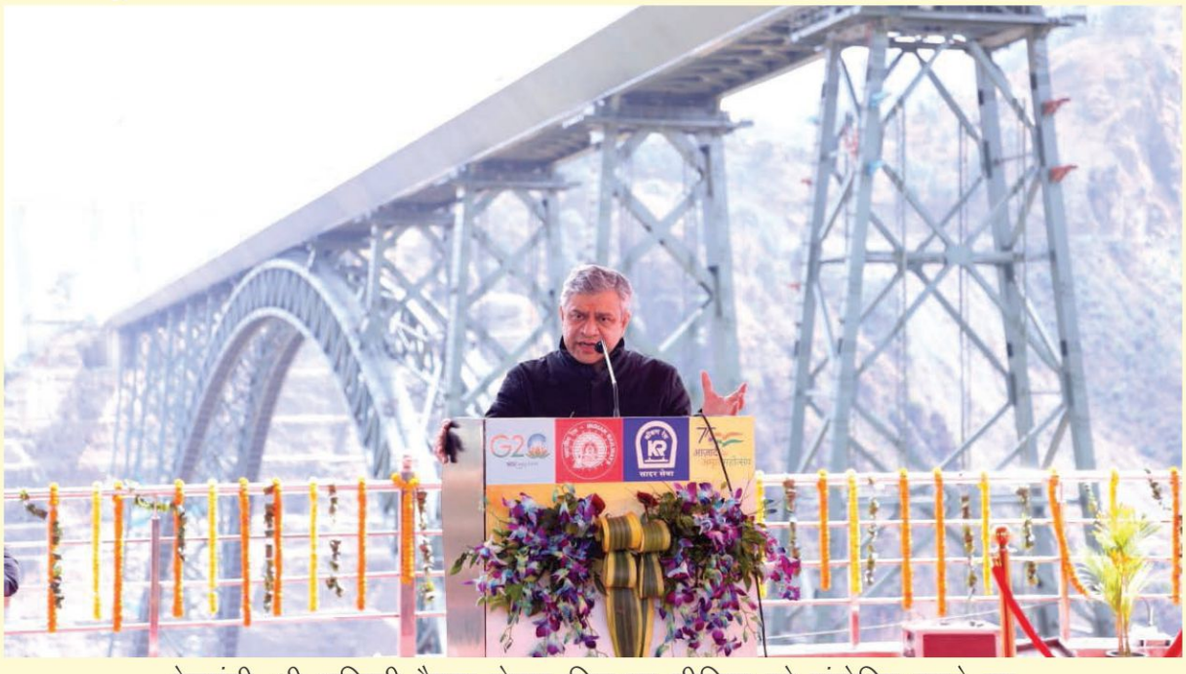
कटड़ा–बनिहाल सेक्शन की प्रमुख विशेषताएं

- देश की सबसे लम्बी ट्रांसपोर्टेशन टनल (12.76 किमी.) में सफल निर्माण कार्य पूरा हुआ। 15.02.2022 को
- 111 कि.मी. लम्बे कटड़ा–बनिहाल सेक्शन पर 97 कि.मी. रेलमार्ग टनलों से गुजरेगा
- इस सेक्शन के कुल 7 स्टेशनों में से कई स्टेशन या तो टनल में स्थित हैं या फिर ब्रिज के उपर
- इस परियोजना के निर्माण और नियोजन के लिए दुनिया की सबसे उन्नत और आधुनिक तकनीकों का इस्तेमाल किया जा रहा है। इसमें आने वाली चुनौतियां बेहद कठिन हैं और इससे पहले कभी ऐसी चुनौतियां नहीं देखी गयीं
- इस सेक्शन में चिनाब ब्रिज भी शामिल है जोकि नदी तल से 359 मी. ऊपर स्थित होने के कारण दुनिया का सबसे ऊँचा ब्रिज है। यह कुतुब मीनार और एफिल टावर दोनों से ऊँचा है
- भारतीय रेलवे पर पहला केबल ब्रिज–अंजी ब्रिज, भी इस परियोजना का हिस्सा है
- जम्मू और कश्मीर में अप्रोच रोड के तौर पर कुल 205 कि.मी. सड़कों का निर्माण भी शामिल है जोकि 2000 करोड़ रूपये की लागत पर पूरा किया गया

आधारभूत संरचनाओं के विकास पर बल

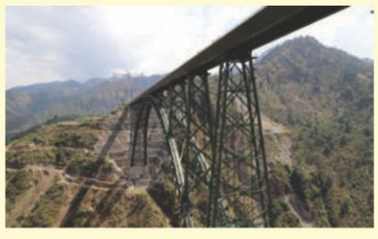
चिनाब ब्रिज

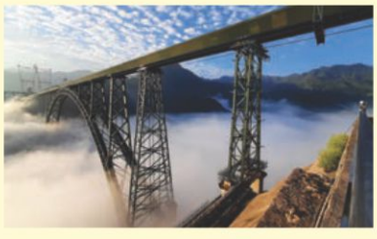
- यह विश्व का सबसे ऊंचा रेलवे पुल है जिसकी लम्बाई 1315 मीटर और सेन्ट्रल आर्च स्पैन 467 मीटर हैं। चिनाब नदी के ऊपर बनाया गया यह प्रतिष्ठित पुल समुद्र तल से 359 मीटर की ऊंचाई पर निर्मित किया गया है । यह कुतुब मीनार (72 मीटर ऊंचाई) और एफिल टॉवर (324 मीटर ऊंचाई) से अधिक ऊंचा है। पुल को 266 किमी. प्रतिघंटा विन्ड स्पीड के लिए डिजाइन किया गया है और यह जोन 5 के भूकंप को सहन कर सकता है
- चिनाब पुल के स्टील आर्च, ट्रेस्टल एवं पियर्स का इरेक्शन अगस्त 2013 को कमीशन किया गया
- 467 मीटर लम्बे आर्च स्पैन को जोड़ना पुल के निर्माण का सबसे कठिन कार्य था। आर्च के कार्य का समापन समारोह अप्रैल 2021 में आयोजित किया गया
- दूसरी सबसे बड़ी उपलब्धि डैक का ''गोल्डन ज्वाइंट'' था। 785 मीटर लम्बा डैक सुपरस्ट्रक्चर कौरी एवं बक्कल दोनों छोर से प्रारंभ किया गया और अंत में आर्च के साथ जोड़ा गया। गोल्डन ज्वाइंट कार्यक्रम 13 अगस्त, 2022 को आयोजित किया गया
- चिनाब पुल के ऊपर ब्लास्ट–लैस ट्रैक लिंकिंग कार्यकलाप 2,487 स्पीपर्स का उपयोग करके पूरा किया गया।



रेलमंत्री, श्री अश्विनी वैष्णव चेनाब ब्रिज पर मीडिया को संबोधित करते हुए



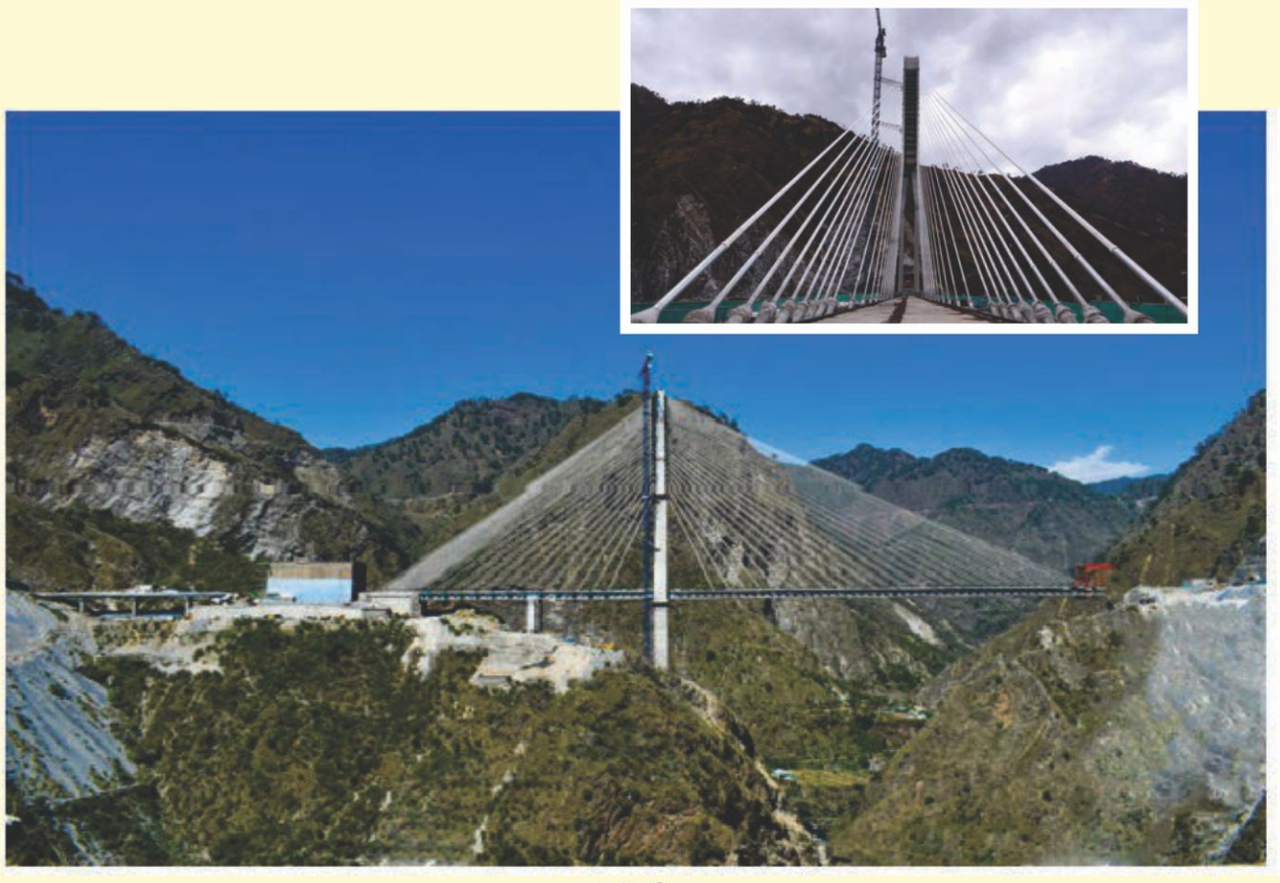




आधारभूत संरचनाओं के विकास पर बल

अंजी ब्रिज

- अंजी पुल, भारत का पहला केबल–स्ट्रेयड रेल ब्रिज कठिन भौगोलिक परिस्थितियों में हिमालय के विशाल पर्वतों के चुनौतीपूर्ण भूभाग में निर्मित किया जा रहा है
- यह 725 मीटर कुल लम्बाई के सज्ञथ एक असमप्रमाणित केबल–स्ट्रेयड ब्रिज है जिसमें 473 मीटर लम्बे असमप्रमाणित केबल स्ट्रेयड ब्रिज शामिल है जो फाउंउेशन के शीर्ष से 193 मीटर ऊंचाई के सेन्ट्रल पायलान के एक्सिस पर संतुलित हैं और रिवर बेड के ऊपर 331 मीटर की ऊंचाई पर खड़े हैं
- केबल स्टे ब्रिज में उत्तर की तरफ (कटरा साइड) 290 मीटर का स्पैन है जबकि दक्षिण की तरफ (रियासी की तरफ) 183 मीटर स्पैन है। ब्रिज में सिंगल रेलवे लाइन है और इसमें ब्लास्टलैस ट्रैक एवं 3.75 मीटर चौड़ी सर्विस रोड है
- जब इस पुल के सभी 96 केबल को 26 अप्रैल, 2023 को रिकार्ड 11 माह की अवधि के भीतर सफलतापूर्वक उनकी स्थिति पर स्थापित किया गया तब एक इतिहास बना



अंजी ब्रिज

आधारभूत संरचनाओं के विकास पर बल

कटरा–बनिहाल सैक्शन में मुख्य रूप से टनलिंग शामिल

- इसमें 27 मेन टनल और 8 एस्केप टनल हैं। कुल टनलिंग कार्य 164 किमी. के बराबर है
- सुम्बर–अर्पिनचाला टी–49, 12.75 किमी. भारत में सबसे बड़ा ट्रांसपोर्टेशन बनने के लिए तैयार है
- 25 टनल की सफलता हासिल की गई
- टनल लाइनिंग एवं ट्रैक जोड़ने का कार्य



टनल बोरिंग कार्य



टनल लाइनिंग कार्य



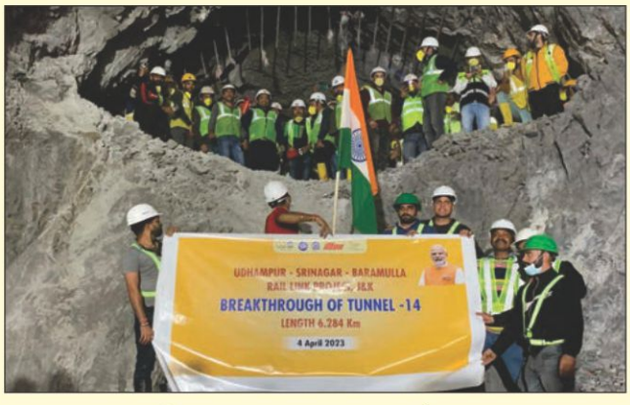
मेल टनल टी–13 का सफलतापूर्वक समापन



टनल टी–48 का सफलतापूर्वक समापन



भारत के सबसे लम्बी टनल टी–49 का सफलतापूर्वक समापन



टनल टी–14 का सफलतापूर्वक समापन

यात्री सुविधाओं पर विशेष बल



माननीय केन्द्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह, माननीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री, डॉ० हर्षवर्धन और माननीय केन्द्रीय रेल, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री, श्री पीयूष गोयल, नई दिल्ली रेलवे स्टेशन से नई दिल्ली–श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा वंदे भारत एक्सप्रेस का शुभारंभ करते हुए



वैथ ब्रिज पर बारामूला–बनिहाल डी.ई.एम.यू. रेलगाड़ी

कोविड–19 : यात्री केन्द्रित सेवाएं

श्रमिक स्पेशल रेलगाड़ियां

❖ कोविड–19 लॉकडाउन के दौरान प्रवासी मजदूरों, तीर्थयात्रियों, पर्यटकों, छात्रों और अन्य लोगों को उनके घरों तक पहुँचाने के लिए 33 श्रमिक स्पेशल रेलगाड़ियां चलाई गयी



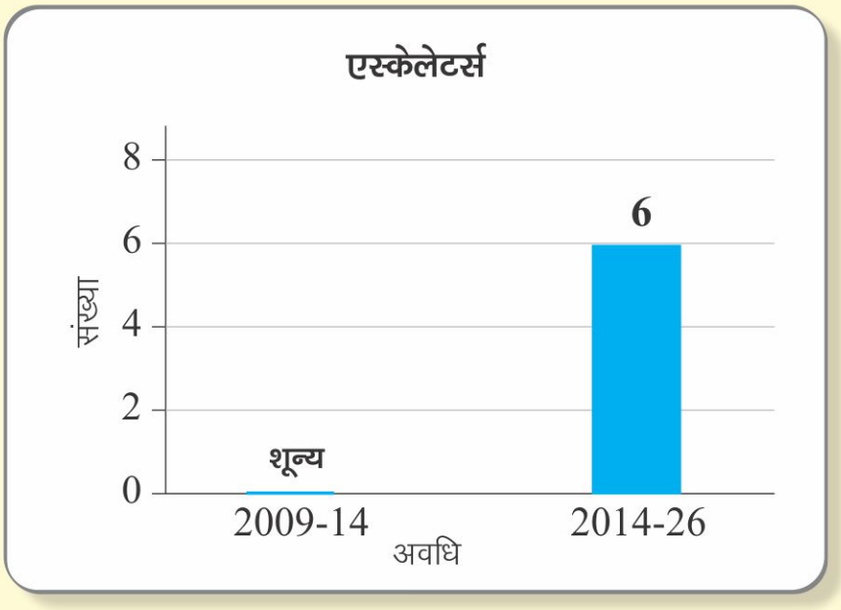


यात्री सुविधाएं

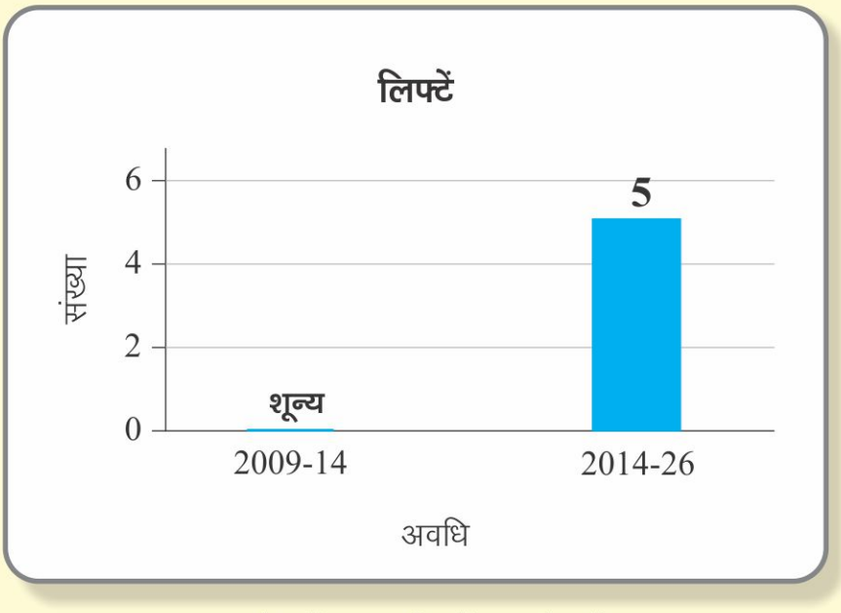
वर्ष 2009–14 के दौरान

- एस्केलेटर – शून्य
- लिफ्ट – शून्य

वर्ष 2014–26 के दौरान



स्टेशनों पर 6 एस्केलेटर लगाये गये



स्टेशनों पर 5 लिफ्टें लगाई गई

यात्री सुविधाएं

वर्ष 2014–23 के दौरान पूर्ण किये गये कार्य

❖ श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा रेलवे स्टेशन पर 2 एवं जम्मू तवी रेलवे स्टेशन पर 4 एस्केलेटर्स लगाए गये



श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा रेलवे स्टेशन पर एस्केलेटर



जम्मू स्टेशन पर लिफ्ट

❖ जम्मू तवी पर 2 एवं श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा रेलवे स्टेशनों पर 3 लिफ्टें लगाई गई

❖ श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा रेलवे स्टेशन पर अग्रभाग सहित पूरे स्टेशन भवन का सुधार



श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा रेलवे स्टेशन का प्रवेश द्वार

यात्री सुविधाएं

वर्ष 2014-24 के दौरान पूर्ण किये गये कार्य

- ❖ हीरा नगर रेलवे स्टेशन पर नये फुट ओवर ब्रिज व हाई लेवल प्लेटफॉर्म का प्रावधान
- ❖ हीरा नगर रेलवे स्टेशन पर आदर्श स्टेशन स्तर के सभी मानकों के अनुरूप सुविधाएँ
- ❖ पठानकोट–जम्मू तवी सेक्शन पर लेवल क्रॉसिंग गेट के स्थान पर 2 रोड अंडर ब्रिज का प्रावधान
- ❖ बड़गाम, श्रीनगर, काकापोरा, पैम्पोर, काजीगुंड, सदुरा, बिजबियारा, आपटा, मज़होम, पट्टन, हामरे और बारामुला स्टेशनों के परिसंचारी क्षेत्र का नवीनीकरण
- ❖ सासंद निधि के अंतर्गत उधमपुर (200), कठुआ (30), रामनगर जे एंड के (18) आदि स्टेशनों पर कुल 248 कुर्सियों की व्यवस्था

2024-26

1. जम्मू–कश्मीर में सुरक्षा अवसंरचना को सुदृढ़ करना
2. जम्मू तवी स्टेशन पर नई आरपीएफ बैरक का निर्माण
3. यात्रियों की बेहतर सेवाओं के लिए कठुआ, हीरानगर और दयालाचक स्टेशनों के प्लेटफार्मों का पुनर्निर्माण
4. जम्मू तवी–कठुआ मार्ग के स्टेशनों पर रैंप सहित दिव्यांगजन शौचालयों की व्यवस्था

2024-26

1. शहरी हिमाचल प्रदेश रेलवे स्टेशनों पर व्यापारियों के लिए शौचालय, बेंच, शेड आदि जैसी बुनियादी सुविधाओं का प्रावधान और अन्य विविध सुधार कार्य।
2. जम्मूवी–श्री माता वैष्णों देवी कटड़ा खंड पर दिव्यांगजनों के लिए शौचालय, प्रवेश मार्ग, 50 मीटर का ढका हुआ मार्ग और पेयजल बूथ का प्रावधान।
3. बीएएचएल–बीआरएमएल खंड पर दिव्यांगजनों के लिए शौचालय, प्रवेश मार्ग, 50 मीटर का ढका हुआ मार्ग और पेयजल बूथ का प्रावधान।

चल रहीं परियोजनाएं

- ❖ तावी नदी के समीप इनफिल्टरेशन गैलरी के द्वारा उद्यमपुर स्टेशन की जल आपूर्ति प्रणाली में सुधार
- ❖ बनिहाल–बारामुला सेक्शन पर पंजगाम स्टेशन पर प्लेटफार्म नं 2 एवं फुटओवर ब्रिज का निर्माण
- ❖ जम्मू तवी रेलवे स्टेशन एरिया में 2 डीप ट्यूब वैल्स का प्रावधान
- ❖ पठानकोट–जम्मू तवी सेक्शन पर लेवल क्रॉसिंग गेट के स्थान पर रोड अंडर ब्रिज का प्रावधान
- ❖ बाड़ी ब्राहमणीं रेलवे स्टेशन पर फुट ओवर ब्रिज व हाई लेवल प्लेटफार्म का प्रावधान

यात्री सुविधाएं

- 2 स्टेशनों (उधमपुर और बडगाम) को अमृत भारत योजना के तहत लिया जा रहा है
- श्री माता वैष्णो देवी कटरा स्टेशन के पुनर्विकास के लिए तकनीकी–आर्थिक व्यवहार्यता अध्ययन किया जा रहा है
- जम्मू तवी स्टेशन पर नई ट्रेन डिस्प्ले बोर्ड और कोच डिस्प्ले बोर्ड लगाए जा रहे हैं
- लूप लाइन पर गति बढ़ानाः जम्मू तवी–कटरा (77 किमी)



जम्मू तवी रेलवे स्टेशन

2024–26

1. सांबा जिले के एलसी 51 और एलसी 54 में रोड अंडर ब्रिज का निर्माण
2. जम्मू तवी स्टेशन में जल आपूर्ति नेटवर्क में सुधार
3. जम्मू तवी स्टेशन के एक साइड का पुनर्विकास और नए प्लेटफार्म 4 और 5 का निर्माण

2024–26

1. ऐडीईएन/उधमपुर के अंतर्गत जम्मू तवी एवं श्री माता वैष्णों देवी कटड़ा खंड पर मनवाल और संगर में यात्री प्लेटफार्म संख्या 1 का विस्तार और उन्नयन तथा बजालता में प्लेटफार्म 1 और 2 का उन्नयन तथा 2.44 मीटर का फुट ओवर ब्रिज (FOB) निर्माण कार्य प्रगति पर है
2. बाजलता स्टेशन पर प्लेटफॉर्म–1 से प्लेटफॉर्म–3 तक फुट ओवर ब्रिज (FOB) निर्माण कार्य प्रगति पर है
3. अनंतनाग में एक अतिरिक्त लूप लाइन का प्रावधान स्वीकृत किया गया है
4. बारामूला में एक अतिरिक्त लूप लाइन का प्रावधान स्वीकृत किया गया है
5. पंजगाम रेलवे स्टेशन पर नई लूप लाइन और गिट्टी लाइन का कार्य
6. काकापोरा स्टेशन पर एक अतिरिक्त लूप लाइन का कार्य
7. बनिहाल–बारामूला खंड के 11 स्टेशनों पर मौजूदा प्लेटफार्मों की ऊँचाई बढ़ाना और उनका विस्तार करना ताकि 16 कोच (9 स्टेशन) / 22 कोच (2 स्टेशन) की व्यवस्था की जा सके
8. उधमपुर स्टेशन के प्लेटफार्म पर यात्री प्लेटफार्म शेल्टर का विस्तार और पूर्वनिर्मित प्लेटफार्म कॉपिंग पत्थरों का प्रतिस्थापन
9. फिरोजपुर डिवीजन के बनिहाल–बारामूला खंड पर बड़गाम एवं मुअज़्ज़मपुर नारायण जं. स्टेशनों के बीच 82.343 किमी पर रिजवान में यात्री हॉल्ट का उद्घाटन
10. श्रीनगर स्टेशन पर अतिरिक्त कोचिंग सुविधाएं – नई लूप लाइन संख्या 4, 5, 7, 8 और लूप लाइन 4, 5, 8 और 9 के लिए दो प्लेटफार्म
11. श्रीनगर–श्रीनगर रेलवे स्टेशन पर प्लेटफार्म के पुनर्निर्माण के साथ–साथ अग्रभाग का सुधार और परिच्छेदन कार्य

स्वच्छ रेल – स्वच्छ भारत

- ❖ 'रेल मदद' एप का शुभारंभ
- ❖ सभी नामांकित ट्रेनों पर स्वच्छ बिस्तरों का प्रावधान
- ❖ 'प्रोजेक्ट स्वर्ण' के तहत विस्तारित यात्री सुविधाओं के साथ सभी एनआर आधारित राजधानी एवं शताब्दी कोच का उन्नयन
- ❖ 'प्रोजेक्ट उत्कृष्ट' के तहत विस्तारित यात्री सुविधाओं के साथ सभी योग्य एनआर आधारित आईसीएफ कोच का उन्नयन



कोच वाशिंग प्लांट



मशीनीकृत सफाई



प्लेटफार्म की हाई प्रेशर जेट से धुलाई

डिजिटल इंडिया

तीव्र एवं मुफ्त वाई-फाई

- डिजिटल इंडिया पहल को बढ़ावा देने के लिए जम्मू–तवी रेलवे स्टेशन पर मुफ्त वाई–फाई सुविधा उपलब्ध
- फिरोजपुर मंडल में पठानकोट–जम्मू तवी सेक्शन के बीच स्थित 12 रेलवे स्टेशनों पर मुफ्त वाई–फाई की सुविधा



डिजिटल ट्रांजैक्शन

- 16 प्वाइंट ऑफ सेल (पीओएस) मशीनें लगाईं
- टिकट काउंटरों पर BHIM, RuPay, डेबिट कार्ड, ई–वालेट आदि के माध्यम से कैशलेस ट्रांजैक्शन की सुविधा



टिकट काउंटर पर कैशलेस ट्रांजैक्शन के लिए प्वाइंट ऑफ सेल (पीओएस) मशीनें

हरित अभियान

सौर ऊर्जा का उपयोग करना

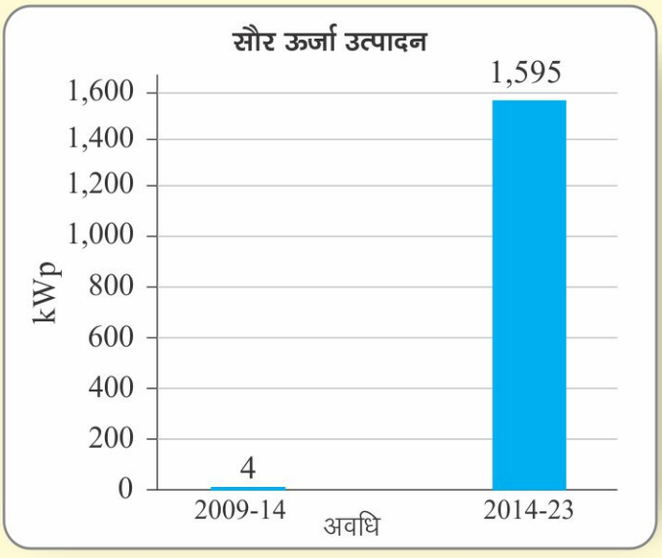
- स्टेशनों पर 1595 kWp सोलर मॉडयूल लगाये गये
- श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा रेलवे स्टेशन पर 1,000 kWp ग्रिड कनेक्टेड सोलर मॉडयूल स्थापित किये गये

वर्ष 2009–14 के दौरान

- केवल 4 kWp सोलर मॉडयूल स्थापित किये गये
- ऊर्जा संरक्षण के लिए कोई एलईडी लाइट फिटिंग्स नहीं थी

वर्ष 2014–24 के दौरान

- सभी 33 स्टेशनों पर एल.ई.डी. लाइट लगाई गई हैं (100% कवरेज)





श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा रेलवे स्टेशन पर सोलर पावर पैनल



एल ई डी लाइटों से जगमगाता श्रीनगर रेलवे स्टेशन

यात्री सुरक्षा

- सभी मुख्य स्टेशनों पर एक्स–रे मशीनें लगाई गईं
- मेटल डिटेक्टर के साथ रेल सुरक्षा बल कर्मियों की तैनाती
- महत्वपूर्ण रेलगाड़ियों के डिब्बों मे विस्फोटक की जांच के लिए स्निफ़र डॉग स्क्वाड की तैनाती
- वर्ष 2014–21 की अवधि के दौरान घर से भागे हुए 83 बच्चों को पहचान कर उनके माता–पिता या एन.जी.ओ. को सौंपा गया जबकि वर्ष 2009–2014 की अवधि में ऐसे बच्चों की संख्या केवल 10 थी
- त्यौहारों और ग्रीष्मकाल के दौरान भीड़ के बेहतर प्रबन्धन हेतु विशेष व्यवस्थाओं के तहत स्टेशनों पर अतिरिक्त सुरक्षाकर्मियों की तैनाती की गई



रेल सुरक्षा बल दस्ते द्वारा कोच की जाँच

पर्यटन



श्रीनगर रेलवे स्टेशन



लकड़ी के पैनलों पर नक्काशी से
सुसज्जित श्रीनगर रेलवे स्टेशन का सेन्ट्रल हॉल



अनंतनाग रेलवे स्टेशन



बनिहाल रेलवे स्टेशन



श्रीनगर–बनिहाल रेल सेवा

पर्यटन



कश्मीर घाटी में हर मौसम में उपलब्ध रहने वाला रेल सम्पर्क

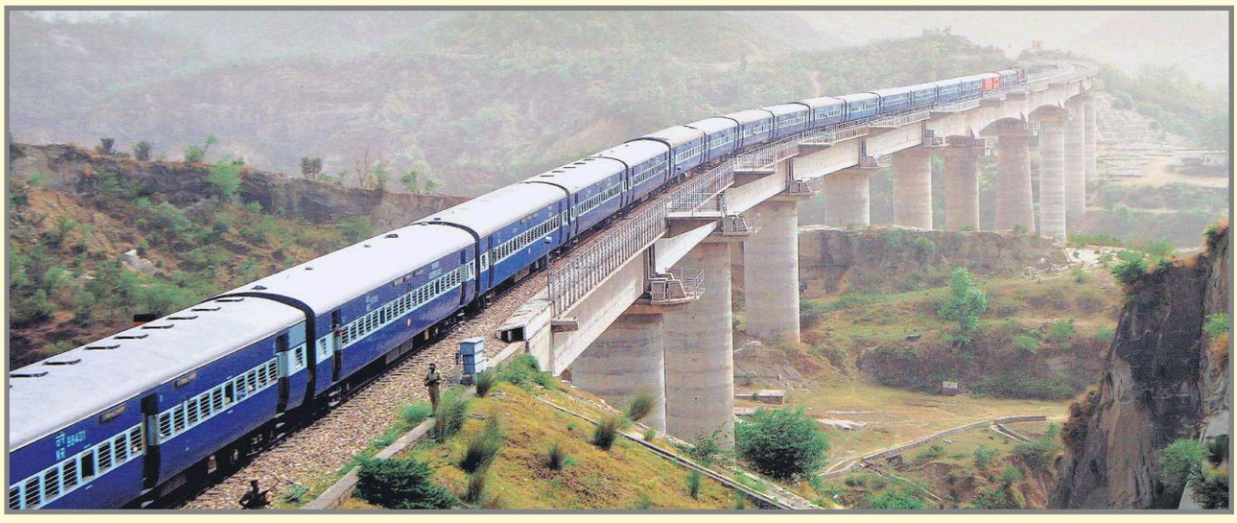


काजीगुंड से बनिहाल के बीच पीर पंजाल टनल टी–80 से गुजरने वाली डी.ई.एम.यू. रेलगाड़ी सेवा। पीर पंजाल टनल की लम्बाई 11.2 कि.मी. है और यह भारत की सबसे लंबी रेलवे टनल है

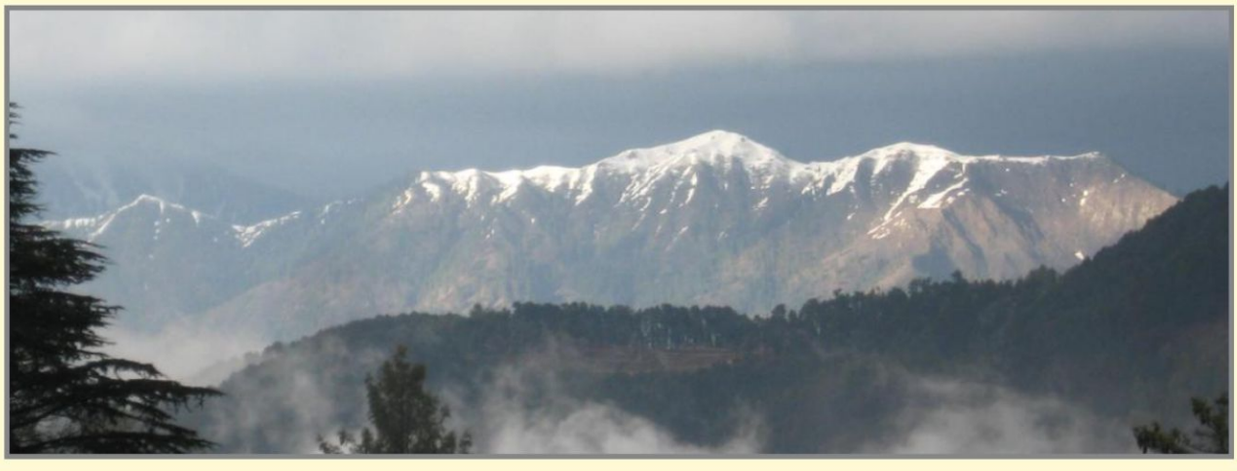
पर्यटन

वर्ष 2014–24 के दौरान कनेक्टिविटी में सुधार

- श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा एवं उधमपुर को जोड़ने के लिए रेल कनेक्टिविटी
- भारत के विभिन्न भागों से श्री माता वैष्णों देवी कटड़ा को जोड़ने के लिए कई रेलगाड़ियों की शुरूआत
- बनिहाल – बारामुला सेक्शन पर बड़गाम–मज़होम स्टेशनों के बीच रिजवान में नये हाल्ट स्टेशन की शुरूआत
- बनिहाल – बारामुला सेक्शन पर बड़गाम–मज़होम स्टेशनों के बीच नन्दीगाम में नये हाल्ट स्टेशन की शुरूआत
- बनिहाल – बारामुला सेक्शन पर काकापोरा–आपटा स्टेशनों के बीच रत्नीपोरा में नये हाल्ट स्टेशन की शुरूआत
- रिजवान, नन्दीगाम और रत्नीपोरा आधे स्टेशन की व्यावसायिक दृष्टि शुरूआत नहीं की गई है



कटड़ा को उधमपुर से जोड़ने वाली नई रेलवे लाइन



बनिहाल स्टेशन से पीर पंजाल पर्वत श्रृखंला का मनोरम दृश्य

राष्ट्र का विस्तारः जम्मू और कश्मीर में परिचालन विस्तार

I. घाटी क्षेत्र में माल ढुलाई संचालन और लोडिंग में प्राप्त उपलब्धियां

❖ सितंबर 2025 की शुरुआत में जब जम्मू–कश्मीर में भारी बारिश हुई और श्रीनगर–जम्मू राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच–44) ठप्प हो गया, तब भारतीय रेलवे घाटी की जीवनरेखा बनकर उभरा। त्वरित परिचालन योजना ने आवश्यक और व्यावसायिक वस्तुओं की निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित की, जिससे संकट की स्थिति में रेलवे एक विश्वसनीय विकल्प के रूप में मजबूत हुआ।



रामबन–बनिहाल क्षेत्र में भूस्खलन हुआ

❖ 15 सितंबर 2025 को उपराज्यपाल मनोज सिन्हा द्वारा शुरू की गई जेपीपीआरसीएस सेवाओं के माध्यम से, रेल वैगनों और वीपी ट्रेनों में, भारतीय रेलवे ने लगभग 20,000 टन सेब (लगभग दस लाख बक्से) का परिवहन किया, मुख्य रूप से अनंतनाग माल गोदाम के माध्यम से। 9 अगस्त 2025 से, 1.5 लाख टन से अधिक सीमेंट रेल द्वारा पहुंचाया गया है, जिससे क्षेत्र में बुनियादी ढांचे और निर्माण गतिविधियों की निरंतरता सुनिश्चित हुई है।



उपराज्यपाल, मनोज सिन्हा द्वारा जेपीपीआरसीएस सेवाओं का उद्घाटन किया गया

राष्ट्र का विस्तारः जम्मू और कश्मीर में परिचालन विस्तार

❖ सितंबर 2025 की शुरुआत में जब जम्मू–कश्मीर में भारी बारिश हुई और श्रीनगर–जम्मू राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच–44) ठप्प हो गया, तब भारतीय रेलवे घाटी की जीवनरेखा बनकर उभरा। त्वरित परिचालन योजना ने आवश्यक और व्यावसायिक वस्तुओं की निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित की, जिससे संकट की स्थिति में रेलवे एक विश्वसनीय विकल्प के रूप में मजबूत हुआ।



पार्सल (वीपी) ट्रेनों में सेबों की लोडिंग

अनंतनाग माल गोदाम में वस्तुओं का क्रमबद्ध प्रबंधन

❖ **कुल वैगनों की संख्याः** 3,240

❖ **कुल टन भारः** 1,90,397 टन

जावक यातायात

❖ सेब

आवक यातायात

- सीमेंट
- वाहन
- उर्वरक
- एसएफजी
- इस्पात
- नमक

राष्ट्र का विस्तारः जम्मू और कश्मीर में परिचालन विस्तार

II. यात्री सेवाओं का विस्तार और कनेक्टिविटी

- इस क्षेत्र में हाई–स्पीड और सेमी–हाई–स्पीड कनेक्टिविटी के चालू होने से यात्री रेल सेवाओं में ऐतिहासिक विस्तार हुआ है। श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा और श्रीनगर के बीच चलने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों की दो जोड़ियों को माननीय प्रधानमंत्री ने 6 जून, 2025 को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया, और नियमित वाणिज्यिक सेवाएं 7 जून, 2025 से शुरू हो गईं है। सप्ताह में छह दिन चलने वाली ये सेवाएं ऐतिहासिक उधमपुर–श्रीनगर–बारामूला रेल लिंक परियोजना के माध्यम से कश्मीर घाटी को देश के शेष भाग से जोड़ती हैं।



वंदे भारत सेवा

- क्षेत्रीय संपर्क को बेहतर बनाने के लिए रियासी को एक नए पड़ाव के रूप में शुरू किया गया। अंतर–क्षेत्रीय संपर्क को और मजबूत करते हुए, श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा और अमृतसर के बीच एक और वंदे भारत एक्सप्रेस सेवा को 10 अगस्त, 2025 को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया, जिसका वाणिज्यिक परिचालन 11 अगस्त, 2025 से शुरू हुआ।
- इसके अलावा, बागवानी रसद को समर्थन देने के लिए विशेष पहल की गई, जिसमें सेब परिवहन के लिए समर्पित सुविधा शामिल है। अनंतनाग माल गोदाम के समन्वय से, 15,000 टन से अधिक सेब रेल द्वारा सफलतापूर्वक परिवहन किए गए, जिससे स्थानीय उत्पादकों और व्यापारियों को लाभ हुआ।

राष्ट्र का विस्तारः जम्मू और कश्मीर में परिचालन विस्तार

III. परिचालन उत्कृष्टता एवद्धं संकट प्रबंधन

- भारतीय रेलवे ने कई चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में अनुकरणीय परिचालन क्षमता का प्रदर्शन किया। पहलगाम हमले के दौरान प्रभावी प्रबंधन सुनिश्चित किया गया, जिसमें 24×7 स्थिति नियंत्रण कक्ष द्वारा निरंतर परिचालन की निगरानी की गई। बाढ़ की स्थिति में यात्रियों की सुरक्षा और सेवाओं की त्वरित बहाली सुनिश्चित करने के लिए जिला और नागरिक अधिकारियों के साथ घनिष्ठ समन्वय बनाए रखा गया।



वंदे भारत सेवा

- रेलवे कर्मचारियों ने फंसे हुए यात्रियों की सहायता और क्षतिग्रस्त पटरियों और बुनियादी ढांचे की मरम्मत के लिए चौबीसों घंटे काम किया। बाढ़ राहत विशेष ट्रेन (कटरा–सांगलदान) का संचालन समय पर राहत और संपर्क प्रदान करने के साथ–साथ प्रभावित क्षेत्र में आवश्यक राशन की निर्बाध रेल आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए किया गया।

- अप्रैल और अक्टूबर के नवरात्रि, दिवाली–छठ त्योहारों और इंडिगो संकट सहित व्यस्त यातायात अवधि के दौरान मजबूत भीड़ प्रबंधन उपाय लागू किए गए, जहां उड़ान रद्द होने से लोगों में अफरा–तफरी मच गई थी। हालांकि, रेलवे ने मौजूदा सेवाओं में कोचों की संख्या बढ़ाकर और विशेष अतिरिक्त सेवाएं चलाकर यात्रियों की सुचारू आवाजाही सुनिश्चित की।

- निकट परिचालन–इंजीनियरिंग समन्वय के माध्यम से निरंतर योजना बनाने से भार वहन क्षमता और प्रवाह को बढ़ाने में मदद मिली, जिससे जम्मू और कश्मीर घाटी में रेल आधारित रसद और परिचालन दक्षता में उल्लेखनीय सुधार हुआ।

आधारभूत संरचनाओं के विकास पर बल

2024–26

1. 2025 की मानसूनी बारिश के बाद रावी पुल 17 पर यातायात बहाल करना
2. मानसूनी बारिश से प्रभावित पुल संख्या 137 की मरम्मत
3. बीबीबीएमएन में माल गोदाम का सुधार
4. एक साइड पर जम्मूतवी स्टेशन का पुनर्विकास और नए प्लेटफार्म 4 और 5 का निर्माण

2024–25

1. BAHL-BRML खंड के 11 स्टेशनों पर मौजूदा प्लेटफार्मों की ऊँचाई बढ़ाना और उनका विस्तार करना ताकि 16 कोच (9 स्टेशन) / 22 कोच (2 स्टेशन) की व्यवस्था की जा सके।
2. श्रीनगर स्टेशन पर अतिरिक्त कोचिंग सुविधाएँ – नई लूप लाइन संख्या 4, 5, 7, 8। साथ ही लूप लाइन 4, 5, 8 और 9 के लिए दो प्लेटफार्म।

2024–26

1. जम्मू की ओर से दूसरे प्रवेश द्वार पर नया स्टेशन भवन
2. जम्मू तवी स्टेशन पर 2 नए प्लेटफार्म – प्लेटफार्म 6, 7
3. जम्मू तवी स्टेशन के यार्ड का पुनर्निर्माण
4. छन्न अरोरियां स्टेशन के यार्ड का पुनर्निर्माण
5. छन्न अरोरियां का नया माल गोदाम चालू
6. बाड़ी ब्राह्मन स्टेशन पर नया माल टर्मिनल
7. 2025 के मानसून में लगातार बाढ़ और जम्मू–कश्मीर में हुए नुकसान के बाद पुल 137 पर यातायात की त्वरित बहाली

2024–26

1. फिरोजपुर डिवीजन के काजीगुंड–बारामूला खंड पर काकापोरा और अवंतीपोरा स्टेशनों के बीच 44.92 किमी पर स्थित रत्नीपोरा में यात्री ठहराव का उद्घाटन।
2. बनिहाल–बारामूला खंड पर बनिहाल, अनंतनाग, पंचगाम, हामरे और सोपुर स्टेशनों पर बोरवेल और पंप हाउस के माध्यम से जल आपूर्ति में वृद्धि।



जम्मूतवी रेलवे स्टेशन के प्रस्तावित भवन की छवि

भारतीय रेल • INDIAN RAILWAYS







